

1. निम्नलिखित में से कौन सा अपरा (प्लेसेंटा) का कार्य नहीं है?
- पोषक तत्वों का आदान-प्रदान
  - गैसीय विनिमय
  - अपशिष्ट निष्कासन
  - शुक्राणु उत्पादन
2. शुक्राणुजनन पुरुष जनन तंत्र की किस संरचना में होता है?
- शुक्रजनक (सेमिनिफेरस ट्यूब्यूल) नलिकाएं
  - अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - शुक्रवाहक
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
3. महिलाओं में अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) को उत्तेजित करने के लिए कौन सा हार्मोन जिम्मेदार है?
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (LH)
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (FSH)
4. कौन सी संरचना गर्भाशय को योनि से जोड़ती है?
- गर्भाशय ग्रीवा
  - अंडाशय
  - अंडवाहिनी (फैलोपियन ठ्यूब)
  - गर्भाशय अंतः स्तर
5. पीत पिंड (कॉर्पस ल्यूटियम) का क्या कार्य है?
- यह गर्भाशय की परत को बनाए रखने के लिए एस्ट्रोजन का उत्पादन करता है।
  - यह गर्भाशय की परत को बनाए रखने के लिए प्रोजेस्टेरोन का उत्पादन करता है।
  - यह अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) को उत्तेजित करने के लिए LH जारी करता है।
  - यह कूप विकास को प्रोत्साहित करने के लिए FSH जारी करता है।
6. शुक्राणु कोशिका के किस भाग में अंडे की कोशिका में प्रवेश करने के लिए एंजाइम होते हैं?
- केन्द्रक
  - अग्र पिण्डक (एक्रोसोम)
  - माइटोकॉन्फ्रिया
  - फ्लैजेलम
7. यदि निषेचन नहीं होता है तो गर्भाशय की परत के झड़ने को क्या कहते हैं?
- अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन)
  - निषेचन
  - मासिक धर्म
  - अन्तर्रोपण
8. निषेचित अंडे के अन्तर्रोपण का स्थान क्या है?
- गर्भाशय
  - अंडवाहिनी (फैलोपियन ठ्यूब)
  - गर्भाशय ग्रीवा
  - योनि
9. कौन सा हार्मोन महिला के द्वितीयक लैंगिक लक्षणों के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है?
- टेस्टोस्टेरोन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - एस्ट्रोजन
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (एफएसएच)
10. शुक्राणुओं के निर्माण की प्रक्रिया कहलाती है:
- |                 |               |
|-----------------|---------------|
| (a) शुक्राणुजनन | (b) युग्मकजनन |
| (c) वीर्यसेचन   | (d) अंडजनन    |
11. ग्राफी पुटक से डिंब के निकलने की प्रक्रिया कहलाती है:
- अंडजनन
  - अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन)
  - मासिक धर्म
  - निषेचन

12. निम्नलिखित में से कौन सी संरचना स्त्री जनन पथ में शुक्राणु के स्थानांतरण के लिए जिम्मेदार है?
- अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - शुक्रवाहक
  - वीर्य पुटिका
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
13. कौन सा हार्मोन गर्भविष्या को बनाए रखता है और मासिक धर्म को रोकता है?
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - पीत पिंडकर (ल्यूटिनाइज़िंग हार्मोन / एलएच)
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (FSH)
14. काउपर ग्रंथि का क्या कार्य है?
- टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन करना
  - शुक्राणु कोशिकाओं का निर्माण
  - मूत्रमार्ग में अम्लीय स्थितियों को बेअसर करने के लिए क्षारीय तरल पदार्थ का उत्पादन करना
  - शुक्राणु पोषण के लिए फ्रक्टोज युक्त तरल पदार्थ का उत्पादन करना
15. निम्नलिखित में से कौन सा पुरुष जनन तंत्र का कार्य नहीं है?
- युग्मक (शुक्राणु कोशिकाएं) का उत्पादन
  - टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन
  - विकासशील भूषण का पोषण और सुरक्षा
  - शुक्राणु का स्त्री जनन पथ में स्थानांतरण
16. शुक्राणु कोशिकाएं पुरुष जनन तंत्र की किस संरचना में संग्रहीत और परिपक्व होती हैं?
- शुक्रजनक (सेमिनिफेरस) नलिकाएं
  - अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - शुक्रवाहक
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
17. अंडे का निषेचन आमतौर पर महिला जनन तंत्र के किस भाग में होता है?
- अंडाशय
  - गर्भाशय
  - अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब)
  - गर्भाशय ग्रीवा
18. मनुष्य में शुक्राणु कोशिका में कितने गुणसूत्र मौजूद होते हैं?
- 23
  - 24
  - 46
  - 48
19. कौन सा हार्मोन महिलाओं में डिम्बग्रंथि कूप के विकास को उत्तेजित करता है?
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - पीत पिंडकर (ल्यूटिनाइज़िंग हार्मोन / एलएच)
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (FSH)
20. निम्नलिखित में से कौन सी संरचना टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है?
- शुक्रजनक (सेमिनिफेरस ट्यूब्यूल) नलिकाएं
  - अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - लेडिग कोशिकाएं
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
21. ग्राफी पुटक से डिंब के निकलने की प्रक्रिया को कहा जाता है:
- अंडजनन
  - अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन)
  - मासिक धर्म
  - निषेचन
22. शुक्राणु कोशिका और अंडाणु कोशिका के मिलन को क्या कहते हैं?
- अन्तर्रोपण
  - अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन)
  - निषेचन
  - मासिक धर्म
23. पुरुष जनन तंत्र की कौन सी संरचना एक तरल पदार्थ का स्राव करती है जो वीर्य का हिस्सा बनता है?
- अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - शुक्रवाहक
  - वीर्य पुटिका
  - बल्बौयूरेश्वर ग्रंथियां

24. मासिक धर्म चक्र के किस प्रावस्था के दौरान अन्तर्रोपण की तैयारी में गर्भाशय की परत मोटी हो जाती है?
- ऋतुस्राव / रजोधर्म
  - पुटकीय प्रावस्था
  - ओव्यूलेटरी प्रावस्था
  - ल्यूटियल (सावी) प्रावस्था
25. पुरुष जनन तंत्र में शुक्रजनक नलिकाओं का क्या कार्य है?
- शुक्राणु कोशिकाओं का उत्पादन
  - टेस्टोस्टेरोन का स्राव
  - शुक्राणु कोशिकाओं का भंडारण
  - शुक्राणु कोशिकाओं का अधिवृष्ण में स्थानांतरण
26. अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब) का क्या कार्य है?
- अंडे का उत्पादन
  - निषेचित अंडे का अन्तर्रोपण
  - अंडाशय से गर्भाशय तक अंडों का परिवहन
  - हार्मोन का स्राव
27. निम्नलिखित में से कौन सी पुरुष सहायक ग्रंथि है जो वीर्य द्रव के उत्पादन में योगदान करती है?
- अधिवृष्ण
  - शुक्रवाहक
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
  - वृषण
28. अंडजनन उत्पन्न करता है:
- अंडाणु और शुक्राणु
  - केवल अंडाणु
  - केवल शुक्राणु
  - उपरोक्त में से कोई नहीं
29. मानव महिला में मासिक धर्म चक्र \_\_\_\_\_ दिनों का होता है।
- 15
  - 21
  - 28
  - 35
30. मानव महिलाओं में पहला मासिक स्राव कहलाता है:
- रजोनिवृत्ति
  - मासिक धर्म
  - रजोदर्शन (मेनार्क)
  - मासिक धर्म प्रावस्था
31. शुक्राणुजनन वृष्ण के \_\_\_\_\_ में होता है, विशेष रूप से \_\_\_\_\_ में।
- वीर्य नलिकाएं, जर्मिनल एपिथेलियम
  - अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस), शुक्रवाहक
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि, वीर्य पुटिकाएं
  - मूत्रमार्ग, मूत्राशय
32. अंडजनन \_\_\_\_\_ जीवन के दौरान शुरू होता है, जिसमें प्राथमिक अंडाणु युवावस्था तक \_\_\_\_\_ में रुक जाते हैं।
- वयस्क, अर्धसूत्रीविभाजन की मेटाफ़ेज़ ||
  - भ्रूण, अर्धसूत्रीविभाजन का प्रोफ़ेज़।
  - बचपन, अंतरावस्था
  - किशोर, अर्धसूत्रीविभाजन का प्रथम प्रावस्था
33. \_\_\_\_\_ की वृद्धि अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) को ट्रिगर करती है, जिससे परिपक्व पुटिका द्वितीयक अंडाणु को छोड़ देता है।
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
  - फ़ॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (FSH)
34. मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल प्रावस्था के दौरान, \_\_\_\_\_ प्रोजेस्टेरोन और \_\_\_\_\_ सावित करता है।
- पीत पिंड, एस्ट्रोजन
  - गर्भाशय, टेस्टोस्टेरोन
  - अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब), ऑक्सीटोसिन
  - गर्भाशय ग्रीवा, फ़ॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (एफएसएच)
35. निषेचन आमतौर पर स्त्री जनन तंत्र के \_\_\_\_\_ में होता है।
- गर्भाशय
  - अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब / डिंबवाहिनी)
  - गर्भाशय ग्रीवा
  - योनि

36. \_\_\_\_\_ एक हार्मोन-सावित संरचना है जो अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) के बाद पुटिका से विकसित होती है।  
 (a) पीत पिंड (कॉर्पस ल्यूटियम)  
 (b) प्राथमिक अंडाणु  
 (c) गर्भाशय अंतः स्तर  
 (d) गर्भाशय ग्रीवा
37. \_\_\_\_\_ वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा ब्लास्टोसिस्ट गर्भाशय के गर्भाशय अंतः स्तर से जुड़ जाता है।  
 (a) निषेचन  
 (b) अन्तर्रोपण  
 (c) अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन)  
 (d) मासिक धर्म
38. **अभिकथन (A):** शुक्राणुजनन और अंडजनन दोनों में अगुणित युग्मकों का उत्पादन शामिल होता है।  
**कारण (R):** शुक्राणुजनन चार कार्यात्मक शुक्राणु कोशिकाओं का उत्पादन करता है, जबकि अंडजनन केवल एक कार्यात्मक अंडाणु कोशिका का उत्पादन करता है।  
 (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
39. **अभिकथन (A):** मासिक धर्म चक्र के दौरान गर्भाशय की परत को मोटा करने के लिए एस्ट्रोजन जिम्मेदार है।  
**कारण (R):** प्रोजेस्टेरोन महिलाओं में अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) को ट्रिगर करता है।  
 (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

40. **अभिकथन (A):** अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब) मनुष्यों में निषेचन का स्थान है।  
**कारण (R):** शुक्राणु कोशिकाएं निषेचन के लिए डिंब तक पहुंचने के लिए अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब) के माध्यम से यात्रा करती हैं।  
 (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
41. **अभिकथन (A):** पीत पिंड (कॉर्पस ल्यूटियम) द्वारा सावित प्रोजेस्टेरोन गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय की परत को बनाए रखता है।  
**कारण (R):** प्रोजेस्टेरोन अन्तर्रोपण और अपरा विकास का समर्थन करने के लिए गर्भाशय अंतः स्तर में रक्त वाहिकाओं के विकास को बढ़ावा देता है।  
 (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
42. **अभिकथन (A):** मासिक धर्म की प्रक्रिया तब होती है जब निषेचन और अन्तर्रोपण नहीं होता है।  
**कारण (R):** एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन के स्तर में गिरावट गर्भाशय की परत के झड़ने का कारण बनती है।  
 (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

- 43. अभिकथन (A):** मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल प्रावस्था के दौरान एस्ट्रोजन का स्तर गिर जाता है।  
**कारण (R):** ल्यूटियल प्रावस्था पीत पिंड (कॉर्पस ल्यूटियम) के अधः पतन की विशेषता है।
- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
- 44. अभिकथन (A):** गर्भाशय ग्रीवा शुक्राणु उत्पादन का स्थल है।  
**कारण (R):** गर्भाशय ग्रीवा योनि को गर्भाशय से जोड़ने वाला एक संकीर्ण मार्ग है।
- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
- 45. अभिकथन (A):** शुक्रवाहक का प्राथमिक कार्य शुक्राणु को वृषण से मूत्रमार्ग तक पहुंचाना है।  
**कारण (R):** वीर्य पुटिका शुक्राणु कोशिकाओं को पोषण और सुरक्षा देने के लिए वीर्य द्रव का उत्पादन करती है।
- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

- 46. अभिकथन (A):** एलएच वृद्धि महिलाओं में अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) को ट्रिगर करती है।  
**कारण (R):** एलएच वृद्धि अंडाशय से परिपक्व पुटिका की रिहाई का कारण बनती है।
- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
- 47. अभिकथन (A):** यदि निषेचन नहीं होता है तो पीत पिंड (कॉर्पस ल्यूटियम) नष्ट हो जाता है।  
**कारण (R):** निषेचन की अनुपस्थिति में, पीत पिंड हार्मोन स्रावित करना बंद कर देता है, जिससे इसका पतन हो जाता है।
- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।
- 48. अभिकथन (A):** टेस्टोस्टेरोन पुरुष द्वितीयक लैंगिक लक्षणों के विकास के लिए जिम्मेदार है।  
**कारण (R):** टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन वृषण में लेडिंग कोशिकाओं द्वारा किया जाता है।
- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।  
 (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।  
 (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।  
 (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

49. निम्नलिखित का मिलान करें:

**कॉलम A**

1. शुक्राणुजनन
2. अंडजनन
3. अन्तर्रोपण
4. निषेचन

**कॉलम B**

- A. अंडाशय में परिपक्व अंडकोशिकाओं का निर्माण
  - B. वृषण में परिपक्व शुक्राणु कोशिकाओं का निर्माण
  - C. शुक्राणु और अंडाणु का संलयन से युग्मनज बनता है
  - D. ब्लास्टोसिस्ट को गर्भाशय की भित्ति से जोड़ना
- (a) 1-C, 2-B, 3-A, 4-D  
(b) 1-B, 2-C, 3-D, 4-A  
(c) 1-D, 2-B, 3-C, 4-A  
(d) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

50. निम्नलिखित को मिलाएं:

**कॉलम A**

1. पीत पिंड
2. शुक्रवाहक
3. अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब)
4. गर्भाशय अंतः स्तर

**कॉलम B**

- A. शुक्राणु को अधिवृष्ण से स्खलनवाहिका तक संचालित करता है
  - B. महिलाओं में निषेचन का स्थल
  - C. गर्भाशय की आंतरिक परत, यदि गर्भावस्था नहीं होती है तो मासिक धर्म के दौरान बह जाती है
  - D. प्रारंभिक गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय की परत को बनाए रखने के लिए हार्मोन का स्राव करता है
- (a) 1-C, 2-B, 3-D, 4-A  
(b) 1-A, 2-C, 3-D, 4-B  
(c) 1-D, 2-A, 3-B, 4-C  
(d) 1-B, 2-D, 3-A, 4-C

51. निम्नलिखित का मिलान करें:

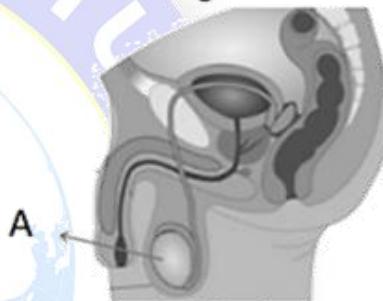
**कॉलम A**

1. पुटकीय प्रावस्था
2. ल्यूटियल प्रावस्था
3. अण्डोत्सर्ग (ओव्यूलेशन)
4. मासिक धर्म

**कॉलम B**

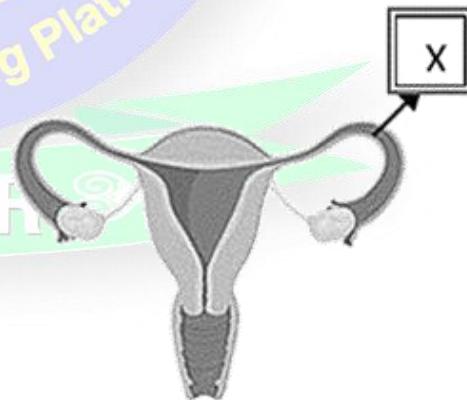
- A. अंडाशय से एक परिपक्व अंडे का निकलना
  - B. पीत पिंड (कॉर्पस ल्यूटियम) गर्भाशय की परत को बनाए रखने के लिए हार्मोन स्रावित करता है
  - C. डिम्बग्रंथि के रोमों का विकास और परिपक्ता
  - D. निषेचन नहीं होने पर गर्भाशय की परत का बहना
- (a) 1-A, 2-D, 3-C, 4-B  
(b) 1-B, 2-C, 3-D, 4-A  
(c) 1-C, 2-A, 3-B, 4-D  
(d) 1-D, 2-B, 3-A, 4-C

52. नीचे दिए गए चित्र में लेबल भाग "A" द्वारा किस संरचना को दर्शाया गया है?



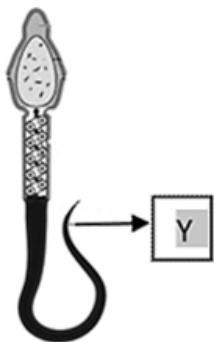
- (a) वृषण  
(b) अधिवृष्ण  
(c) शुक्रवाहक  
(d) शिश्र (Penis)

53. नीचे दिए गए चित्र में "X" लेबल वाली संरचना का कार्य क्या है?



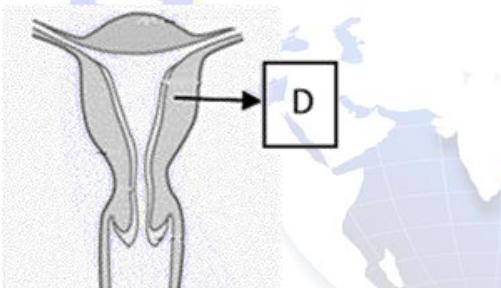
- (a) निषेचन का स्थान  
(b) गर्भाशय के अस्तर को बनाए रखने के लिए हार्मोन स्रावित करता है  
(c) शुक्राणु को युग्मनज तक पहुंचने का मार्ग  
(d) अंडाणु कोशिकाओं का विकास और विमोचन

54. नीचे दिए गए चित्र में "Y" लेबल वाली संरचना को पहचानें।



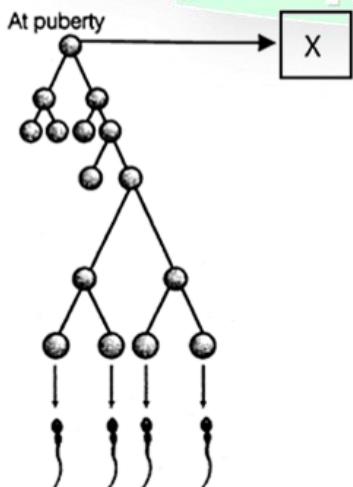
- (a) एक्रोसोम
- (b) केन्द्रक
- (c) माइटोकॉन्ड्रिया
- (d) पृष्ठ

55. नीचे दिए गए चित्र में किस परत को "D" लेबल किया गया है?



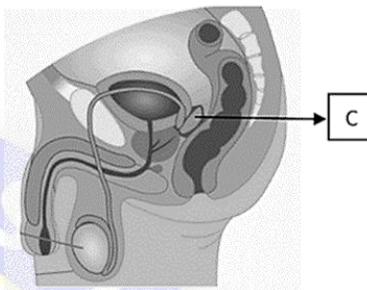
- (a) गर्भाशय अंतः स्तर
- (b) गर्भाशय पेशी स्तर (मायोमेट्रियम)
- (c) परिगर्भाशय (पेरीमेट्रियम)
- (d) गर्भाशय ग्रीवा

56. नीचे दिए गए चित्र में "X" लेबल वाले प्रावस्था को पहचानें।



- (a) स्पर्मेटोगोनिया
- (b) प्राथमिक शुक्राणु कोशिकाएं (स्पर्मेटोसाइट)
- (c) द्वितीयक शुक्राणु कोशिकाएं
- (d) शुक्राणु प्रसू (स्पर्मेटिड)

57. नीचे दिए गए चित्र में लेबल वाली संरचना "C" क्या दर्शाती है?



- (a) अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
- (b) शुक्रवाहक
- (c) वीर्य पुटिका
- (d) पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि

58. कौन सा हार्मोन पुरुषों में द्वितीयक लैंगिक लक्षणों के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है?

- (a) फ़ॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (एफएसएच)
- (b) ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
- (c) टेस्टोस्टेरोन
- (d) एस्ट्रोजन

59. महिलाओं में, अंडोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) के दौरान कौन सी संरचना अंडाणु बनाती है?

- (a) अंडवाहिनी (फैलोपियन ट्यूब)
- (b) गर्भाशय
- (c) अंडाशय
- (d) गर्भाशय ग्रीवा

60. मासिक धर्म चक्र के किस प्रावस्था के दौरान निषेचित अंडे के संभावित अन्तर्रोपण की तैयारी में गर्भाशय की परत मोटी हो जाती है?

- (a) मासिक धर्म प्रावस्था
- (b) प्रचुरोद्धवन (प्रोलिफेरेटिव) प्रावस्था
- (c) स्नावी प्रावस्था
- (d) ल्यूटियल प्रावस्था

- 61.** पुरुषों में वीर्य पुटिकाओं का क्या कार्य है?
- शुक्राणु कोशिकाओं का उत्पादन
  - योनि की अम्लता को बेअसर करने के लिए क्षारीय द्रव का स्राव
  - टेस्टोस्टेरोन का स्राव
  - परिपक्व शुक्राणु कोशिकाओं का भंडारण
- 62.** गर्भावस्था के दौरान निम्नलिखित में से कौन सा अपरा (लेसेंटा) का प्राथमिक कार्य है?
- एस्ट्रोजेन का उत्पादन
  - माँ और भ्रूण के बीच पोषक तत्वों और अपशिष्ट उत्पादों का आदान-प्रदान
  - प्रोजेस्टेरोन का स्राव
  - गर्भाशय अस्तर का रखरखाव
- 63.** शुक्राणुजनन के दौरान घटनाओं का सही क्रम क्या है?
- स्पर्मेटोगोनिया → शुक्राणुप्रसू (स्पर्मेटिड) → प्राथमिक शुक्राणुकोशिका → द्वितीयक शुक्राणुकोशिका
  - स्पर्मेटोगोनिया → प्राथमिक शुक्राणुकोशिका → द्वितीयक शुक्राणुकोशिका → शुक्राणुप्रसू (स्पर्मेटिड)
  - स्पर्मेटोगोनिया → प्राथमिक शुक्राणुकोशिका → शुक्राणुप्रसू (स्पर्मेटिड) → द्वितीयक शुक्राणुकोशिका
  - स्पर्मेटोगोनिया → द्वितीयक शुक्राणुकोशिका → प्राथमिक शुक्राणुकोशिका → शुक्राणुप्रसू (स्पर्मेटिड)
- 64.** कौन सा हार्मोन बढ़ने से महिलाओं में अंडोत्सर्ग (ओव्यूलेशन) शुरू हो जाता है?
- फॉलिकल-स्टिमुलेटिंग हार्मोन (एफएसएच)
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
  - एस्ट्रोजेन
  - प्रोजेस्टेरोन
- 65.** मासिक चक्र के दौरान होने वाली घटनाओं का सही क्रम क्या है?
- प्रचुरोद्धवन प्रावस्था → स्रावी प्रावस्था → मासिक धर्म प्रावस्था
- 66.** (b) मासिक धर्म प्रावस्था → प्रचुरोद्धवन प्रावस्था → स्रावी प्रावस्था
- (c) स्रावी प्रावस्था → मासिक धर्म प्रावस्था → प्रचुरोद्धवन प्रावस्था
- (d) मासिक धर्म प्रावस्था → स्रावी प्रावस्था → प्रचुरोद्धवन प्रावस्था
- 67.** नीचे दिए गए फ्लोचार्ट में छूटे हुए चरणों को भरें जो मासिक धर्म चक्र को दर्शाता है:
- मासिक धर्म प्रावस्था > प्रचुरोद्धवन प्रावस्था > [ए] > स्रावी प्रावस्था
- चरण ए के लिए विकल्प:
- अंडोत्सर्ग
  - निषेचन
  - अन्तर्रोपण
  - मासिक धर्म प्रावस्था
- 68.** शुक्राणुजनन का प्रतिनिधित्व करने वाले फ्लोचार्ट को पूरा करने के लिए निम्नलिखित घटनाओं को सही क्रम में व्यवस्थित करें:
- शुक्राणुजन (स्पर्मेटोगोनिया) > [x] > द्वितीयक शुक्राणु कोशिकाये > शुक्राणुप्रसू (स्पर्मेटिड)
- चरण X के लिए विकल्प:
- प्राथमिक शुक्राणु कोशिकाये
  - शुक्राणु (स्पर्मेटोजोआ)
  - अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - शुक्रवाहक (वास डेफेरेंस)
- 69.** नीचे दिए गए फ्लोचार्ट में वह लुप्त चरण भरें जो निषेचन की प्रक्रिया को दर्शाता है:
- शुक्राणु और अंडाणु का मिलन > [Y] > युग्मनज का निर्माण
- चरण Y के लिए विकल्प:
- अन्तर्रोपण
  - अंडोत्सर्ग
  - मासिक धर्म
  - निषेचन
- 70.** मनुष्यों में युग्मकों के निर्माण की प्रक्रिया किस प्रक्रिया में शामिल होती है?
- निषेचन
  - अंडोत्सर्ग
  - युग्मकजनन
  - गर्भावधि
- 70.** नर : शुक्राणुजनन :: मादा : \_\_\_\_\_ ?
- मासिक धर्म
  - निषेचन
  - अंडोत्सर्ग
  - अंडजनन

71. कौन सी संरचना शुक्राणु को वृषण से मूत्रमार्ग तक पहुंचाती है?
- वीर्य पुटिकाए (सेमिनल वेसिकल्स)
  - शुक्रवाहक (वास डेफेरेंस)
  - अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
72. उस प्रक्रिया का नाम बताइए जहां परिपक्व अंडाणु अंडाशय से निकलता है।
- निषेचन
  - मासिक धर्म
  - अंडोत्सर्ग
  - गर्भावधि
73. उस प्रक्रिया का नाम बताएं जहां अंडाशय में परिपक्व अंडाणु बनता है।
- निषेचन
  - मासिक धर्म
  - अंडजनन
  - गर्भावधि
74. भ्रूण का अन्तर्रोपण कहाँ होता है?
- गर्भाशय
  - अंडाशय
  - गर्भाशय ग्रीवा
  - योनि
75. निषेचन कहाँ होता है?
- तुंबिका
  - अंडाशय
  - गर्भाशय ग्रीवा
  - योनि
76. कोरकपुटी (ब्लास्टुला) का निर्माण कहाँ होता है?
- गर्भाशय
  - अंडाशय
  - गर्भाशय ग्रीवा
  - योनि
77. बच्चे के जन्म के दौरान होने वाली मांसपेशियों के संकुचन की श्रृंखला को क्या कहा जाता है?
- अंडोत्सर्ग
  - अन्तर्रोपण
  - प्रसव पीड़ा
  - निषेचन
78. शुक्राणु और डिंब के मिलन को क्या कहते हैं?
- अंडोत्सर्ग
  - अन्तर्रोपण
  - प्रसव पीड़ा
  - निषेचन
79. बच्चे के जन्म के लिए शब्द क्या है?
- रजोदर्शन (मेनार्चे)
  - प्रसव
  - लेवर
  - निषेचन
80. निम्नलिखित में से कौन सा गर्भाशय ग्रीवा का कार्य नहीं है?
- शुक्राणु को प्रजनन पथ के माध्यम से यात्रा करने में मदद करने के लिए बलगम का उत्पादन करना
  - मासिक धर्म के रक्त को गर्भाशय से बाहर निकलने देना
  - रोगजनकों को गर्भाशय में प्रवेश करने से रोकने के लिए एक बाधा के रूप में कार्य करना
  - बच्चे के जन्म के दौरान बच्चे को बाहर निकलने की अनुमति देने के लिए फैलाव
81. निम्नलिखित में से कौन सी संरचना स्तन ग्रंथियों में दूध के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है?
- एल्वियोलायी
  - अंडाशय
  - गर्भाशय
  - गर्भाशय ग्रीवा
82. गर्भाशय की आंतरिक परत क्या कहलाती है?
- गर्भाशय ग्रीवा
  - गर्भाशय अंतः स्तर (एंडोमेट्रियम)
  - गर्भाशय पेशी स्तर (मायोमेट्रियम)
  - परिगर्भाशय (पेरीमेट्रियम)
83. महिला प्रजनन प्रणाली में अंडाशय का प्राथमिक कार्य क्या है?
- एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन का उत्पादन
  - अंडे का उत्पादन
  - टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन
  - मासिक धर्म चक्र का नियमन
84. पुरुष प्रजनन तंत्र में शुक्रजनक नलिकाएं मुख्य रूप से कहाँ स्थित होती हैं?
- अधिवृष्ण (एपिडीडिमिस)
  - पुरस्थ (प्रोस्टेट) ग्रंथि
  - वृषण
  - शुक्रवाहक
85. मादा प्रजनन तंत्र में अंडाशय का क्या कार्य है?
- एस्ट्रोजेन का उत्पादन
  - प्रोजेस्टेरोन का उत्पादन
  - अंडे का उत्पादन
  - उपरोक्त सभी

86. शुक्रजनक नलिकाओं का प्राथमिक कार्य क्या है?
- टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन
  - शुक्राणु का भंडारण
  - शुक्राणु की परिपक्तता
  - शुक्राणु का उत्पादन
87. कौन सा हार्मोन डिम्बग्रंथि रोमों की वृद्धि और विकास को उत्तेजित करने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है?
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (FSH)
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
88. अंडाशय के भीतर की संरचना का क्या नाम है जिसमें विकासशील अंडाणु सहायक कोशिकाओं से घिरा होता है?
- पीत पिण्डक (कॉर्पस ल्यूटियम)
  - ग्राफी पुटिका (ग्रेफियन फॉलिकल)
  - अंडाशयी वल्कुट
  - अंडाशयी मध्यांश
89. मादा जनन तंत्र में अंडाशय कहाँ स्थित होते हैं?
- अंडवाहिनी के भीतर
  - गर्भाशय ग्रीवा से जुड़ा हुआ
  - योनि द्वार के पास
  - श्रोणि गुहा के भीतर
90. ओव्यूलेशन के दौरान, परिपक्त अंडा अंडाशय के भीतर किस संरचना से निकलता है?
- पीत पिण्डक (कॉर्पस ल्यूटियम)
  - कॉर्पस अल्बिकन्स
  - कॉर्पस कैलोसम
  - ग्रेफियन फॉलिकल
91. निम्नलिखित में से कौन सा कोशिका प्रकार शुक्रजनक नलिकाओं के भीतर टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार है?
- सर्टोली कोशिकाएं
  - लेडिग कोशिकाएं
  - जर्म कोशिकाएं
  - मायॉइड कोशिकाएं

92. निम्नलिखित में से कौन सा हार्मोन अंडोत्सर्ग के बाद पीत पिण्डक (कॉर्पस ल्यूटियम) द्वारा निर्मित होता है?
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (FSH)
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
93. उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं जिसके द्वारा एक डिम्बग्रंथि कूप फट जाता है और अपना परिपक्त अंडा छोड़ता है?
- अंडजनन
  - अंडोत्सर्ग
  - मासिक धर्म
  - निषेचन
94. शुक्राणुजनन के दौरान, किस प्रकार की कोशिका शुक्राणु कोशिकाओं का उत्पादन करने के लिए अर्धसूत्रीविभाजन से गुजरती है?
- शुक्राणुजन (स्पर्मेटोगोनिया)
  - सर्टोली कोशिकाएं
  - लेडिग कोशिकाएं
  - शुक्राणु प्रसू (स्पर्मेटिड्स)
95. मानव स्त्री जनन तंत्र में आमतौर पर कितने अंडाशय मौजूद होते हैं?
- एक
  - दो
  - तीन
  - चार
96. मासिक धर्म चक्र के दौरान गर्भाशय अंतः स्तर (एंडोमेट्रियम) की मोटाई और संवहनीयता को बनाए रखने के लिए कौन सा हार्मोन जिम्मेदार है?
- एस्ट्रोजन
  - प्रोजेस्टेरोन
  - फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (FSH)
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
97. कौन सा हार्मोन शुक्रजनक नलिकाओं के भीतर शुक्राणु के उत्पादन को उत्तेजित करता है?
- टेस्टोस्टेरोन
  - कूप-उत्तेजक हार्मोन (एफएसएच)
  - ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)
  - मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी)

- 98.** निम्नलिखित में से कौन सा शुक्रजनक नलिकाओं के भीतर सर्टेली कोशिकाओं का कार्य है?
- टेस्टोस्टेरोन का उत्पादन
  - अतिरिक्त शुक्राणु का फागोसाइटोसिस
  - एण्ड्रोजन का स्राव
  - रक्त-वृषण अवरोध का निर्माण
- 99.** उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं जिसके द्वारा शुक्राणु कोशिकाएं शुक्र नलिकाओं से नलिकाओं के लुमेन में छोड़ी जाती हैं?
- शुक्राणुजनन (स्पर्मियोजेनेसिस)
  - शुक्राणुजनन (स्पर्मेटोजेनेसिस)
  - शुक्राणुकरण
  - शुक्राणु गठन
- 100.** फ्लोचार्ट को पूरा करके अंडजनन के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करें:
- प्राइमर्डियल जनन कोशिका → प्राथमिक अंडक → द्वितीयक अंडक → अंडाणु
  - प्राइमर्डियल जनन कोशिका → प्राथमिक अंडक → अंडाणु → द्वितीयक अंडक
  - प्राइमर्डियल जनन कोशिका → द्वितीयक अंडक → प्राथमिक अंडक → अंडाणु
  - प्राइमर्डियल जनन कोशिका → द्वितीयक अंडक → अंडाणु → प्राथमिक अंडक
- 101.** निम्नलिखित में से कौन सा चरण जनन कोशिका विकास की शुरुआत का संकेत देता है?
- प्राइमर्डियल जनन कोशिका
  - प्राथमिक अंडक
  - द्वितीयक अंडक
  - अंडाणु
- 102.** फ्लोचार्ट को पूरा करके निषेचन और प्रत्यारोपण के निम्नलिखित चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित करें:
- अंडोंत्सर्ग → निषेचन → विदलन → अन्तर्रोपण
  - अंडोंत्सर्ग → अन्तर्रोपण → निषेचन → विदलन
  - निषेचन → विदलन → अन्तर्रोपण → अंडोंत्सर्ग
  - अन्तर्रोपण → अंडोंत्सर्ग → निषेचन → विदलन

- 103.** फ्लोचार्ट में उस चरण की पहचान करें जहां पहला अर्धसूत्रीविभाजन होता है:
- प्राइमर्डियल जनन कोशिका
  - प्राथमिक अंडक
  - द्वितीयक अंडक
  - अंडाणु
- 104.** उस प्रक्रिया का नाम बताइए जिसमें शुक्राणु अंडे के ज़ोना पेलुसिडा में प्रवेश करता है
- अंडोंत्सर्ग
  - निषेचन
  - विदलन
  - अन्तर्रोपण
- 105.** किस चरण में अंडाणु अर्धसूत्रीविभाजन फिर से शुरू करता है और दूसरा अर्धसूत्रीविभाजन पूरा करता है?
- प्राइमर्डियल जर्म सेल
  - प्राथमिक अंडक
  - द्वितीयक अंडक
  - अंडाणु
- 106.** निषेचन के बाद युग्मनज के तीव्र समसूत्री विभाजन को क्या कहते हैं?
- अंडोंत्सर्ग
  - निषेचन
  - विदलन
  - अन्तर्रोपण
- 107.** अंडजनन में प्रथम अर्धसूत्रीविभाजन का उत्पाद क्या है?
- ध्रुवीय पिंड
  - द्वितीयक अंडक
  - प्राथमिक अंडक
  - a और b दोनों
- 108.** किस चरण में ब्लास्टोसिस्ट गर्भाशय के गर्भाशय अंतःस्तर (एंडोमेट्रियम) में खुद को स्थापित कर लेता है?
- अंडोंत्सर्ग
  - निषेचन
  - विदलन
  - अन्तर्रोपण
- 109.** उस चरण का चयन करें जहां निषेचन होता है
- प्राइमर्डियल जर्म सेल
  - प्राथमिक अंडक
  - द्वितीयक अंडक
  - अंडाणु

110. निषेचन के दौरान शुक्राणु और अंडे के मिलन से कौन सी संरचना बनती है?

- (a) कोरकपुटी (b) युग्मनज  
(c) मोरुला (d) ट्रोफोब्लास्ट

111. अंडाणु परिपक्व अंडाणु बनाने के लिए दूसरा अर्धसूत्रीविभाजन कब पूरा करता है?

- (a) अंडोंत्सर्ग से पहले (b) निषेचन के बाद  
(c) अंडोंत्सर्ग के दौरान (d) अन्तर्रोपण के दौरान

112. किस अवस्था में अंडाणु में गुणसूत्रों का पूर्ण पूरक होता है?

- (a) प्राइमरी जर्म सेल  
(b) प्राथमिक अंडक  
(c) द्वितीयक अंडक  
(d) अंडाणु

113. उस चरण का चयन करें जहां ट्रोफोब्लास्ट भूमीय और बाह्यभूम ऊतकों में अंतर करना शुरू करता है:

- (a) अंडोंत्सर्ग (b) निषेचन  
(c) विदलन (d) अन्तर्रोपण

114. अंडजनन के दौरान बनने वाले ध्रुवीय पिंडों का क्या होता है?

- (a) वे पोषक तत्व प्रदान करने के लिए डिंब के साथ संलयन करते हैं।  
(b) वे एपोषोसिस से गुजरते हैं और पतित हो जाते हैं।  
(c) वे अतिरिक्त भ्रूण में विकसित होते हैं।  
(d) वे सहायक प्रजनन संरचनाओं में अंतर करते हैं।

115. निषेचन की प्रक्रिया को दर्शाने वाले नीचे दिए गए चित्र का अध्ययन करें। दिखाए गए प्रत्येक घटक के लिए सही लेबल की पहचान करें।



(a) A - अंडाणु, B - अरीय किरीट (कोरोना रेडिएटा की कोशिकाएं), C - अग्रपिण्डक

(b) A - अरीय किरीट (कोरोना रेडियेटा की कोशिकाएं), B - ज़ोना पेलुसिडा, C - परिपीतक अवकाश (पेरीविटेलिन स्पेस)

(c) A - ज़ोना पेलुसिडा, B - अरीय किरीट (कोरोना रेडिएटा की कोशिकाएं), C - अग्रपिण्डक

(d) A - शुक्राणु, B - अंडाणु, C - ज़ोना पेलुसिडा

116. **अभिकथन (A):** मासिक धर्म चक्र के दौरान, पुटकीय प्रावस्था की विशेषता डिम्बग्रंथि रोम के विकास से होती है।

**कारण (R):** फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हार्मोन डिम्बग्रंथि रोम की वृद्धि और परिपक्वता को बढ़ावा देता है।

(a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

(b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

(c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।

(d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

117. **अभिकथन (A):** मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल प्रावस्था के दौरान प्रोजेस्टेरोन का स्तर गिरता है।

**कारण (R):** प्रोजेस्टेरोन अंडोंत्सर्ग के बाद बनने वाले पीत पिण्डक द्वारा निर्मित होता है और एक निषेचित अंडे के संभावित अन्तर्रोपण के लिए गर्भाशय की परत को बनाए रखने में मदद करता है।

(a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

(b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

(c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।

(d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

**118. अभिकथन (A):** यदि अंडोंत्सर्ग के बाद निषेचन नहीं होता है तो मासिक धर्म होता है।

**कारण (R):** प्रोजेस्टरोन और एस्ट्रोजेन के बढ़े हुए स्तर के कारण मासिक धर्म के दौरान गर्भाशय की परत खिसक जाती है।

- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
- (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
- (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।
- (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

**119. अभिकथन (A):** मासिक धर्म चक्र के दौरान ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच) में वृद्धि से अंडोंत्सर्ग शुरू हो जाता है।

**कारण (R):** एलएच वृद्धि अंडाशय में प्रमुख कूप (फॉलिकिल) से अंडे की रिहाई को उत्तेजित करती है।

- (a) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
- (b) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
- (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।
- (d) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण सत्य है।

**120. अन्तर्रोपण की प्रक्रिया निषेचन के लगभग \_\_\_\_\_ दिन बाद होती है।**

- (a) 3-4
- (b) 6-7
- (c) 10-12
- (d) 14-16

**121. गर्भावस्था के दौरान, हार्मोन \_\_\_\_\_ गर्भाशय की परत की बनाए रखता है और बढ़ते भ्रून को सहारा देता है।**

- (a) एस्ट्रोजेन
- (b) प्रोजेस्टरोन
- (c) टेस्टोस्टरोन
- (d) मानव जरायु गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी)

**122. पुरुष जनन तंत्र में निम्नलिखित संरचनाओं को उनके कार्यों से सुमेलित करें:**

**संरचना**

1. अधिवृष्ण
2. शुक्रजनक नलिकाएँ
3. पुरस्य ग्रंथि
4. शुक्रवाहक

**कार्य**

- (A) शुक्राणु का उत्पादन और भंडारण
  - (B) वीर्य का साव
  - (C) शुक्राणु का भंडारण और परिपक्ता
  - (D) वृष्ण से मूत्रमार्ग तक शुक्राणु का परिवहन
- (a) 1 – B, 2 – A, 3 – C, 4 – D
  - (b) 1 – C, 2 – A, 3 – B, 4 – D
  - (c) 1 – D, 2 – C, 3 – B, 4 – A
  - (d) 1 – A, 2 – C, 3 – B, 4 – D

**123. कोरकपुटी (ब्लास्टोसिस्ट) में कोशिकाओं की बाहरी परत जो बाद में नाल में विकसित होती है, \_\_\_\_\_ कहलाती है।**

- (a) एम्ब्रियोब्लास्ट
- (b) आंतरिक कोशिका द्रव्यमान
- (c) पोषकोरक (ट्रोफोब्लास्ट)
- (d) एमनियोन

**124. हार्मोन \_\_\_\_\_ प्रसव के दौरान प्रसव संकुचन को प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार है।**

- (a) एस्ट्रोजेन
- (b) प्रोजेस्टरोन
- (c) ऑक्सीटोसिन
- (d) फॉलिकल स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (FSH)

**125. गर्भावस्था की पहली तिमाही गर्भधारण से लेकर \_\_\_\_\_ सप्ताह तक होती है।**

- (a) 6
- (b) 12
- (c) 24
- (d) 40

126. महिला प्रजनन प्रणाली में निम्नलिखित हार्मोनों को उनके कार्यों से सुमेलित करें:

### हार्मोन

1. एस्ट्रोजन
2. प्रोजेस्टेरोन
3. फॉलिकल स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (एफएसएच)
4. ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच)

### कार्य

- (A) अंडोंत्सर्ग को उत्तेजित करता है
- (B) अन्तर्रोपण के लिए गर्भाशय की परत को बनाए रखता है
- (C) डिम्बग्रंथि फॉलिकल के विकास को बढ़ावा देता है
- (D) द्वितीयक लिंग विशेषताओं के विकास को उत्तेजित करता है
- (a) 1 – A, 2 – B, 3 – C, 4 – D
  - (b) 1 – D, 2 – A, 3 – B, 4 – C
  - (c) 1 – D, 2 – B, 3 – C, 4 – A
  - (d) 1 – A, 2 – C, 3 – B, 4 – D

127. कोरकपुटी (ब्लास्टोसिस्ट) का आंतरिक कोशिका द्रव्यमान \_\_\_\_ को जन्म देता है।

- (a) अपरा (प्लेसेंटा)
- (b) एमनियोन
- (c) भ्रूण
- (d) पोषकोरक (ट्रोफोब्लास्ट)

128. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा कोरकपुटी गर्भाशय की परत में समाहित हो जाता है, \_\_\_\_ कहलाती है।

- (a) निषेचन
- (b) अन्तर्रोपण
- (c) गैस्टुलेशन
- (d) विदलन

129. भ्रूण अवस्था निषेचन के बाद \_\_\_\_ सप्ताह तक चलती है।

- |             |              |
|-------------|--------------|
| (a) 1 से 4  | (b) 2 से 8   |
| (c) 9 से 12 | (d) 13 से 16 |

130. मासिक धर्म चक्र के निम्नलिखित चरणों को उनकी संगत घटनाओं के साथ सुमेलित करें:

### मासिक धर्म चक्र चरण

1. पुटकीय प्रावस्था
2. अंडोंत्सर्ग
3. ल्यूटियल प्रावस्था
4. मासिक धर्म

### घटना

- (A) गर्भाशय की परत का खिसकना
- (B) अंडाशय से परिपक्व अंडे का निकलना
- (C) डिम्बग्रंथि रोम का विकास
- (D) संभावित अन्तर्रोपण के लिए गर्भाशय की परत का रखरखाव
- (a) 1 – C, 2 – B, 3 – C, 4 – D
  - (b) 1 – D, 2 – A, 3 – B, 4 – C
  - (c) 1 – D, 2 – B, 3 – C, 4 – A
  - (d) 1 – C, 2 – B, 3 – D, 4 – A

131. हार्मोन \_\_\_\_ गर्भावस्था को बनाए रखने और आगे अंडोंत्सर्ग को रोकने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

- (a) मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी)
- (b) प्रोजेस्टेरोन
- (c) एस्ट्रोजन
- (d) फॉलिकल स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन (FSH)

## ANSWER KEY

1. (d)	18. (a)	35. (b)	52. (a)	69. (c)	86. (d)	103. (b)	120. (b)
2. (a)	19. (d)	36. (a)	53. (a)	70. (d)	87. (c)	104. (b)	121. (b)
3. (c)	20. (c)	37. (b)	54. (d)	71. (b)	88. (b)	105. (c)	122. (b)
4. (a)	21. (b)	38. (c)	55. (b)	72. (c)	89. (d)	106. (c)	123. (c)
5. (b)	22. (c)	39. (c)	56. (a)	73. (c)	90. (d)	107. (d)	124. (c)
6. (b)	23. (c)	40. (a)	57. (c)	74. (a)	91. (b)	108. (d)	125. (b)
7. (c)	24. (d)	41. (a)	58. (c)	75. (a)	92. (b)	109. (c)	126. (c)
8. (a)	25. (a)	42. (a)	59. (c)	76. (a)	93. (b)	110. (b)	127. (c)
9. (c)	26. (c)	43. (c)	60. (b)	77. (c)	94. (a)	111. (b)	128. (b)
10. (a)	27. (c)	44. (c)	61. (b)	78. (a)	95. (b)	112. (d)	129. (b)
11. (b)	28. (b)	45. (c)	62. (b)	79. (b)	96. (b)	113. (d)	130. (d)
12. (b)	29. (c)	46. (b)	63. (b)	80. (b)	97. (b)	114. (b)	131. (a)
13. (b)	30. (c)	47. (b)	64. (b)	81. (a)	98. (d)	115. (b)	
14. (c)	31. (a)	48. (b)	65. (d)	82. (b)	99. (c)	116. (a)	
15. (c)	32. (b)	49. (d)	66. (a)	83. (a)	100. (a)	117. (d)	
16. (b)	33. (c)	50. (c)	67. (a)	84. (c)	101. (a)	118. (c)	
17. (c)	34. (a)	51. (d)	68. (d)	85. (d)	102. (a)	119. (a)	

